

MASTER OF EDUCATION (M.Ed.)

Term-End Examination

December, 2016

00139

MESE-067(S) : ELEMENTARY EDUCATION

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note :

- (i) *All questions are compulsory.*
- (ii) *All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Enumerate the factors affecting the quality of elementary education in India. Discuss major problems faced by India in achieving the goals of Universalisation of Elementary Education (UEE).

OR

Discuss the role of international agencies in achieving the goal of quality in elementary education in India.

2. Answer the following question in about 600 words :

Differentiate between in-service and pre-service teacher education programmes. Explain the role of DIETs in improving the quality of elementary education.

OR

Describe the steps of Action research. Also, explain the importance of Action research for school improvement.

3. Answer any *four* of the following questions in about 150 words each :
- (a) Describe the concept and importance of peer tutoring.
 - (b) Explain the role of National Institute of Open Schooling (NIOS) in school education.
 - (c) Explain the objectives and role of Programme of Mass Orientation of School Teachers (PMOST).
 - (d) Explain the usefulness of competency based evaluation.
 - (e) Enumerate the measures taken for education of children with special needs.
 - (f) Write the salient features of Education Guarantee Scheme.

4. Answer the following question in about 600 words :

Reflect on the implementation of Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) in your school, from the point of view of improving quality of learning.

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

एम.ई.एस.ई.-067(S) : प्रारंभिक शिक्षा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट :

- (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारत में प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारकों की परिगणना कीजिए । चर्चा कीजिए कि प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण (यू.ई.ई.) के लक्ष्यों को भारत में पाने के लिए किन प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ।

अथवा

भारत में प्रारंभिक शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

सेवारत और सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में अंतर स्पष्ट कीजिए । प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में ज़िला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

क्रियात्मक अनुसंधान के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए । विद्यालय सुधार के लिए क्रियात्मक अनुसंधान के महत्त्व की भी व्याख्या कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) समकक्ष अध्यापन (पीयर ट्यूटोरिंग) की संकल्पना और महत्त्व का वर्णन कीजिए ।

(ख) विद्यालय शिक्षा में राष्ट्रीय खुला विद्यालयी संस्थान (एन.आई.ओ.एस.) की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

(ग) विद्यालय शिक्षकों के समूह अभिविन्यास कार्यक्रम (पी.एम.ओ.एस.टी.) के उद्देश्यों और भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

(घ) दक्षता आधारित मूल्यांकन की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे उपायों को बताइए ।

(च) शिक्षा गारंटी योजना के मुख्य लक्षण लिखिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

आपके विद्यालय में सतत और व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) के क्रियान्वयन पर, अधिगम की गुणवत्ता बढ़ाने के संदर्भ में अपने विचार दीजिए ।
